नई दिल्ली, बुधवार
27 जुलाई, 2022
ग्रेटर नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

www.jagran.com

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

यातायात नियम तोड़ा तो शहर बदलें या राज्य, जुर्माने से बच नहीं पाएंगे 10

कामनवेल्थ गेम्स से हटे नीरज चोपड़ा 12

नोएडा एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण शुरू

इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने नियाल सीईओ को मासिक रिपोर्ट सौंपी

पहल

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग और सपोर्ट बिल्डिंग का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। एयरपोर्ट की शुरुआती बिजली जरूरत को पूरा करने के लिए साइट पर 11 केवी क्षमता का सब स्टेशन तैयार हो चुका है। एयरपोर्ट के निर्माण कार्य की निगरानी के लिए नियुक्त एजेंसी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) सीईओ डा. अरुणवीर सिंह को पहली मासिक रिपोर्ट सौंपी है।

देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट की विकासकर्ता कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने निर्माण कार्य की जिम्मेदारी टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को सौंपी है। टाटा प्रोजेक्ट्स ने एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग व सपोर्ट बिल्डिंग का निर्माण शुरू कर दिया है। सब स्टेशन भी बनकर तैयार हो चुका है। एयरपोर्ट की चारदीवारी का काम भी लगभग पूरा हो गया है। नियाल सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने एयरपोर्ट की प्रगति पर अपनी मासिक रिपोर्ट सौंप दी है।

एयरपोर्ट साइट पर तैयार 11 केवी क्षमता का सब स्टेशन ● सौ. नियाल

अगले माह तक मिलेगा एक्सप्लोसिव लाइसेंस

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अगले माह तक एक्सप्लोसिव के उपयोग का लाइसेंस मिलने की उम्मीद है। एयरपोर्ट पर ईंधन का भंडारण होगा। इसके लिए एक्सप्लोसिव लाइसेंस जरूरी है। विकासकर्ता कंपनी लाइसेंस के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी करने में जुटी है।

प्रतीक्षा क्षेत्र में तीस प्रतिशत होगी बैठने की व्यवस्था

यात्री प्रतीक्षा क्षेत्र में कुल क्षमता के तीस प्रतिशत सीट की व्यवस्था होगी। शुरुआत में एक करोड़ बीस लाख यात्री सालाना एयरपोर्ट का उपयोग करेंगे। टर्मिनल वन को तीन करोड़ सालाना यात्री क्षमता के हिसाब से बनाया जाएगा। एयरपोर्ट को कार्बन उत्सर्जन मुक्त बनाया जाएगा।

29 सितंबर 2024 तक पूरा होना है निर्माण कार्य: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य विकासकर्ता कंपनी को 29 सितंबर 2024 तक पूरा करना होगा। कंपनी के साथ हुए करार में यह शर्त शामिल है। अगर निर्माण कार्य तय समय सीमा में नहीं होता है तो प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना देना होगा। पहले चरण में 1334 हेक्टेयर भूमि में एयरपोर्ट का निर्माण कार्य हो रहा है। इसमें टर्मिनल बिल्डिंग, एक रनवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर, सड़क समेत अन्य आंतरिक ढांचागत सुविधाओं शामिल हैं।

कार्गो के लिए बनाई जाएगी एसपीवी कंपनी

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कार्गो हैंडलिंग के लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) कंपनी का गठन होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) की तीन अगस्त को होने जा रही बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। बैठक के बाद उसी दिन प्रोजेक्ट मानिटरिंग कमेटी की बैठक में भी यह प्रस्ताव स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। कमेटी अगर इसे सहमति देती है तो कैबिनेट से मंजूरी ली जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट को देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है। शुरुआत में यहां से सालाना एक करोड़ बीस लाख यात्रियों के यात्रा करने का अनुमान है। विकासकर्ता कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भारतीय एसपीवी कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड का गठन किया है, लेकिन यात्री सेवा के साथ नोएडा एयरपोर्ट कार्गो का भी बड़ा केंद्र बनाने की तैयारी में है। एयरपोर्ट पर कार्गो हैंडलिंग के लिए अलग एसपीवी कंपनी बनाने की योजना है।

नोएडा एयरपोर्ट पर दस प्रतिशत सालाना बढ़ोतरी का अनुमान

नोएडा एयरपोर्ट पर कार्गो में सालाना दस प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। आइजीआइ एयरपोर्ट से ढुलाई होने वाले कुल कार्गो में 51 प्रतिशत गाजियाबाद व गौतमबुद्ध नगर से है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से आइजीआइ एयरपोर्ट का 55 प्रतिशत कार्गो यहां स्थानांतरित होने का आकलन है। जिसमें गौतमबुद्ध नगर की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत, गाजियाबाद की 14 प्रतिशत होगी। सबसे अधिक यहां से इलेक्ट्रानिक्स के सामान की ढुलाई होगी।

विकासकर्ता ने एयरपोर्ट पर कार्गो के लिए अलग एसपीवी के गठन का प्रस्ताव दिया है। इसे नियाल की बोर्ड बैठक में रखा जाएगा।
– डा. **अरुणवीर सिंह**, सीईओ नियाल

2026 में 25 लाख टन होगा कार्गो: नोएडा एयरपोर्ट पर 2026 में 25 लाख टन कार्गो की ढुलाई होगी। 2017 में कराई गई स्टडी के अनुसार, दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट पर सालाना दस लाख टन कार्गो की ढुलाई हो रही थी। इसमें 14 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी है। कार्गो में 30 प्रतिशत घरेलू व 70 प्रतिशत की वैश्विक स्तर पर ढुलाई की जा रही है। इलेक्ट्रानिक्स की हिस्सेदारी सबसे अधिक 69 प्रतिशत, कपड़े 15 प्रतिशत व अन्य की 16 प्रतिशत है।